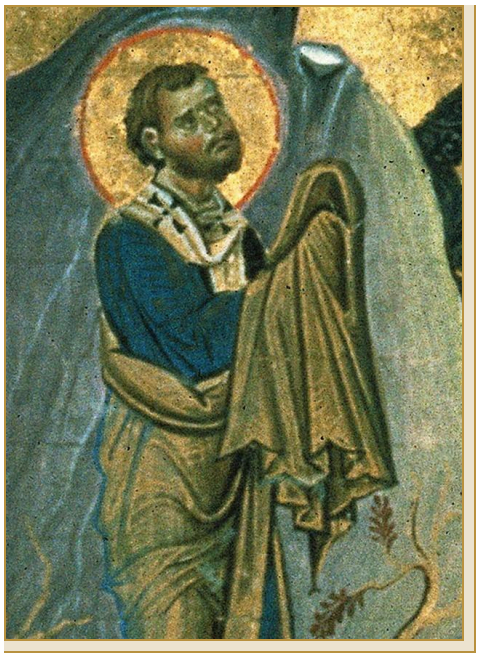


प्रेरितिक उत्तराधिकार

सत्तर में से एक प्रेरित संत इस्तखुस से, कुस्तुन्तुनिया के विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट होते हुए, वर्तमान समय तक

इस उत्तराधिकार-क्रम में

बिशप*

Garland F. Byers, Jr., J.D., D.D.‡

जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन

1. संत इस्तखुस, सत्तर में से एक प्रेरित CO

लगभग 30 ई. में सत्तर चेलों में से एक के रूप में मसीह द्वारा भेजे गए (लूका 10:1)

पवित्रशास्त्र में उल्लेख: संत पौलुस ने “मेरे प्रिय इस्तखुस” कहकर उन्हें नमस्कार भेजा (रोमियों 16:9)

बीजान्टियम के प्रथम बिशप, 38 ई.

यह प्रेरितिक उत्तराधिकार-क्रम लगभग 30 ई. में प्रेरित इस्तखुस से आरंभ होकर आज तक चला आता है – 2026 तक 1,996 वर्षों की अवधि।

संत इस्तखुस से विश्वव्यापी पैट्रिआर्क Germanus V तक का उत्तराधिकार कुस्तुन्तुनिया के विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट द्वारा रखी गई बिशपों और पैट्रिआर्कों की सूची का अनुसरण करता है: वही सूची जिसके द्वारा विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट अपने प्रेरितिक उत्तराधिकार को प्रथम-बुलाए गए संत अन्द्रियास तक ले जाता है।

संत इस्तखुस, जिन्हें संत पौलुस “मेरे प्रिय इस्तखुस” (रोमियों 16:9) कहकर नमस्कार भेजते हैं, पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया द्वारा सत्तर में से एक प्रेरित के रूप में सम्मानित हैं; वह 31 अक्टूबर को प्रेरित अम्पलियातुस और उरबानुस के साथ उनका पर्व मनाती है, और उन्हें उन सत्तर प्रेरितों में गिनती है जिनका 4 जनवरी को एक साथ स्मरण किया जाता है। कुस्तुन्तुनिया का विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट उन्हें बीजान्टियम का प्रथम बिशप मानता है, जिन्हें संत अन्द्रियास ने उस कलीसिया पर नियुक्त किया, और उन्हें अपनी बिशप-सूची में सबसे ऊपर रखता है।

बिशप-पद पर अभिषेक, एक से अगले को, नीचे नामित कलीसियाओं के माध्यम से किए गए।

इस उत्तराधिकार-क्रम के कुछ बिशप संतों के रूप में भी सम्मानित हैं। उनके नामों के पास दिए गए चिह्न केवल जीवन की पवित्रता से संबंधित हैं। वे किसी भी अभिषेक की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं डालते: सूची में दिया गया प्रत्येक

बिशप उत्तराधिकार में समान रूप से अपना स्थान रखता है, चाहे वह संत के रूप में सम्मानित हो या न हो।

संत संत: वह व्यक्ति जिसे कोई कलीसिया सार्वजनिक रूप से इस रूप में सम्मान देती है कि उसने वीरतापूर्ण पवित्रता का जीवन जिया और अब वह परमेश्वर के साथ है, और जिसकी स्मृति वह अपने पंचांग में रखती है। आरम्भिक कलीसिया में संतों को विश्वासियों और उनके बिशपों की सार्वजनिक स्वीकृति द्वारा मान्यता मिलती थी; बाद में, रोमन कैथोलिक कलीसिया में औपचारिक संत-घोषणा (canonization) द्वारा और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया में महिमाकरण (glorification) द्वारा।

धन्य धन्य: रोमन कैथोलिक कलीसिया में, वह व्यक्ति जिसे धन्य घोषित किया गया है (beatification); यह संत घोषित किए जाने से पहले का औपचारिक चरण है।

C रोमन कैथोलिक कलीसिया द्वारा संत या धन्य के रूप में सम्मानित।

O पूर्वी ऑर्थोडॉक्स कलीसिया द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

CO रोमन कैथोलिक और पूर्वी ऑर्थोडॉक्स दोनों कलीसियाओं द्वारा संत के रूप में सम्मानित।

लाल शहीद: वह जिसने विश्वास के लिए अपने प्राण दिए।

कौन संत है, इस पर कलीसियाएँ सदा सहमत नहीं होतीं। एक कलीसिया किसी ऐसे व्यक्ति को सम्मान दे सकती है जिसे दूसरी नहीं देती, और चिह्न दर्शाते हैं कि प्रत्येक को कौन-सी कलीसिया सम्मान देती है।

कुस्तुन्तुनिया

बीजान्टियम का पीठ, जो बाद में कुस्तुन्तुनिया कहलाया, और जो प्रथम-बुलाए गए संत अन्द्रियास को अपना संस्थापक मानता है। बिशप और पैट्रिआर्क, संत उनेसिमुस से, जो संत इस्तखुस के उत्तराधिकारी हुए, Germanus V तक, जिनके पैट्रिआर्क-काल में 1916 में Kristofor Kisi को विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट के बिशप के रूप में अभिषिक्त किया गया।

2. Onesimus 54
3. Polycarp I 69
4. Plutarch 89
5. Sedecion 105
6. Diogenes 114
7. Eleutherius 129
8. Felix 136
9. Polycarp II 141
10. Athenodorus 144
11. Euzois 148
12. Laurence 154
13. Alypius 166
14. Pertinax 169
15. Olympianus 187
16. Mark I 198
17. Philadelphus 211
18. Cyriacus I 214
19. Castinus 230
20. Eugenius I 237
21. Titus 242
22. Dometius 272
23. Rufinus I 284
24. Probus 293
25. संत Metrophanes CO 306
26. संत Alexander CO 314
27. संत पॉल I CO शहीद 337
28. Eusebius 339

29. Macedonius I 342
30. Eudoxius 360
31. Evagrius 370
32. Demophilus 370
33. नाज़ियानज़स के संत ग्रेगरी CO 379
34. संत Nectarius CO 381
35. संत जॉन क्रिसोस्टम CO 398
36. Arsacius 404
37. संत Atticus CO 406
38. Sisinnius I 426
39. Nestorius 428
40. Maximian 431
41. संत Proclus CO 434
42. संत Flavian CO शहीद 446
43. संत Anatolius CO 449
44. संत Gennadius I CO 458
45. Acacius 472
46. Fravitta 489
47. Euphemius 490
48. Macedonius II 496
49. Timothy I 511
50. John II 518
51. Epiphanius 520
52. Anthimus I 535
53. संत Menas CO 536
54. संत Eutychius CO 552
55. John III 565
56. संत John IV CO 582
57. Cyriacus II 596
58. Thomas I 607
59. Sergius I 610
60. Pyrrhus 638
61. Paul II 641
62. Peter 654
63. Thomas II 667
64. John V 669
65. Constantine I 675
66. Theodore I 677
67. George I 679
68. Paul III 688
69. Callinicus I 693
70. Cyrus 706
71. John VI 712
72. संत Germanus I CO 715
73. Anastasius 730
74. Constantine II 754
75. Nicetas I 766
76. संत Paul IV CO 780
77. संत Tarasius CO 784
78. संत Nicephorus I CO 806
79. Theodotus I 815
80. Anthony I 821
81. John VII 837
82. संत Methodius I CO 843
83. संत Ignatius CO 847
84. संत Photius O 858
85. Stephen I 886
86. Anthony II 893

87. संत Nicholas I [CO] 901
88. Euthymius I 907
89. Stephen II 925
90. Tryphon 928
91. Theophylact 933
92. Polyeuctus 956
93. Basil I 970
94. Anthony III 974
95. Nicholas II 984
96. Sisinnius II 996
97. संत Sergius II [CO] 1001
98. संत Eustathius [CO] 1019
99. Alexius Stoudites 1025
100. Michael I Cerularius 1043
101. संत Constantine III [O] 1059
102. संत John VIII Xiphilinos [O] 1064
103. संत Cosmas I [O] 1075
104. Eustratius Garidas 1081
105. Nicholas III Grammatikos 1084
106. John IX 1111
107. संत Leo [O] 1134
108. संत Michael II [O] 1143
109. Cosmas II 1146
110. Nicholas IV 1147
111. Theodotus II 1151
112. Neophytus I 1154
113. Constantine IV 1154
114. Luke Chrysoberges 1157
115. Michael III 1170
116. Chariton 1178
117. Theodosius I 1179
118. Basil II Kamateros 1183
119. Nicetas II Mountanes 1186
120. Dositheus 1189
121. Leontius 1189
122. George II Xiphilinos 1191
123. John X Kamateros 1198
124. Michael IV Autoreianos 1208
125. Theodore II 1213
126. Maximus II 1216
127. Manuel I 1217
128. Germanus II 1223
129. Methodius II 1240
130. Manuel II 1243
131. संत Arsenius [O] 1254
132. Nicephorus II 1260
133. Germanus III 1265
134. संत Joseph I [O] 1266
135. John XI 1275
136. Gregory II 1283
137. संत Athanasius I [O] 1289
138. John XII 1294
139. Nephon I 1310
140. John XIII 1315
141. Gerasimus I 1320
142. Isaias 1323
143. John XIV 1334
144. Isidore I 1347

145. संत Callistus I [O] 1350
146. Philotheus 1353
147. Macarius 1377
148. Nilus 1380
149. Antony IV 1389
150. संत Callistus II [O] 1397
151. Matthew I 1397
152. Euthymius II 1410
153. Joseph II 1416
154. Metrophanes II 1440
155. Gregory III 1445
156. Athanasius II 1450
157. Gennadius II Scholarios 1454
158. Isidore II 1456
159. Joasaph I 1462
160. Mark II 1466
161. Symeon I 1466
162. संत Dionysius I [O] 1466
163. Raphael I 1475
164. संत Maximus III [O] 1476
165. संत Nephon II [O] 1486
166. Maximus IV 1491
167. Joachim I 1498
168. Pachomius I 1503
169. Theoleptus I 1513
170. संत Jeremias I [O] 1522
171. Joannicius I 1524
172. Dionysius II 1546
173. Joasaph II 1556
174. Metrophanes III 1565
175. Jeremias II 1572
176. Pachomius II 1584
177. Theoleptus II 1585
178. Matthew II 1596
179. Gabriel I 1596
180. Theophanes I 1596
181. Meletius I 1597
182. Neophytus II 1602
183. Raphael II 1603
184. Cyril I Lucaris 1612
185. Timothy II 1612
186. Gregory IV 1623
187. Anthimus II 1623
188. Cyril II Kontares 1633
189. Athanasius III Patelaros 1634
190. Neophytus III 1636
191. Parthenius I 1639
192. Parthenius II 1644
193. Joannicius II 1646
194. Cyril III 1652
195. Paisius I 1652
196. संत Parthenius III [O] शहीद 1656
197. Gabriel II 1657
198. Parthenius IV 1657
199. Dionysius III 1662
200. Clement 1667
201. Methodius III 1668
202. Dionysius IV 1671

203. Gerasimus II 1673
204. Athanasius IV 1679
205. James 1679
206. Callinicus II 1688
207. Neophytus IV 1688
208. Gabriel III 1702
209. Neophytus V 1707
210. Cyprianus 1707
211. Athanasius V 1709
212. Cyril IV 1711
213. Cosmas III 1714
214. Jeremias III 1716
215. Callinicus III 1726
216. Paisius II 1726
217. Seraphim I 1733
218. Neophytus VI 1734
219. Cyril V 1748
220. Callinicus IV 1757
221. Seraphim II 1757
222. Joannicius III 1761
223. Samuel 1763
224. Meletius II 1768
225. Theodosius II 1769
226. Sophronius II 1774
227. Gabriel IV 1780
228. Procopius 1785
229. Neophytus VII 1789
230. Gerasimus III 1794
231. संत Gregory V O शहीद 1797
232. Callinicus V 1801
233. Jeremias IV 1809
234. Cyril VI 1813
235. Eugenius II 1821
236. Anthimus III 1822
237. Chrysanthus 1824
238. Agathangelus 1826
239. Constantius I 1830
240. Constantius II 1834
241. Gregory VI 1835
242. Anthimus IV 1840
243. Anthimus V 1841
244. Germanus IV 1842
245. Meletius III 1845
246. Anthimus VI 1845
247. Cyril VII 1855
248. Joachim II 1860
249. Sophronius III 1863
250. Joachim III 1878
251. Joachim IV 1884
252. Dionysius V 1887
253. Neophytus VIII 1891
254. Anthimus VII 1895
255. Constantine V 1897
256. Germanus V 1913

अल्बानिया और अमेरिका

Kristofor Kisi से, जो 1916 में कुस्तुन्तुनिया में अभिषिक्त हुए और बाद में अल्बानिया के आर्चबिशप बने, प्रत्येक बिशप अपने से पहले सूचीबद्ध बिशप द्वारा अभिषिक्त किया गया। विश्वव्यापी पैट्रिआर्केट के

एक्सार्क बिशप Hierotheos के साथ मिलकर Kisi ने 1923 में कोर्चा में Theofan (Fan) Noli को अभिषिक्त किया।

257. Kristofor Kisi 1916

258. Theofan (Fan) Noli 1923

259. William Henry Francis Brothers 1934

260. Joseph John Skureth 1966

261. Nils Bertil Alexander Persson 1989

262. Samuel Guido, Jr. 2004

263.

Garland F. Byers, Jr.

2013

पवित्र दीक्षा

पुरोहित-अभिषेक

17 अगस्त 2008, हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel, पामर्टन, पेंसिल्वेनिया में।

बिशप-पद पर अभिषेक

20 अप्रैल 2013, पवित्र प्रभु-भोज के अनुष्ठान के दौरान हाथ रखकर, St. Paul's Lutheran Orthodox Chapel में, जिसकी सभा उस दिन American Legion Post 16, स्लैटिंगटन, पेंसिल्वेनिया में हुई थी।

प्रमुख अभिषेककर्ता

बिशप Samuel Guido, Jr.

सह-अभिषेककर्ता

बिशप Bradley A. Varvil

बिशप Michael Byus

बिशप James Thompson

सुसमाचार के सेवक के रूप में अभिषेक और बिशप-पद पर अभिषेक के प्रमाण-पत्र, बिशप-पद पर अभिषेक के छायाचित्रों सहित, बिशप के विषय में पृष्ठ पर प्रस्तुत हैं।

सेवा

20 अप्रैल 2013 को Lutheran Orthodox Church, Inc. के भीतर बिशप-पद पर अभिषेक, जिसमें उन्होंने बाद में Western North Carolina धर्मप्रांत के आर्चबिशप के रूप में सेवा की। बिशप बायर्स अब उस संस्था से संबद्ध नहीं हैं।

डॉक्टर ऑफ़ डिविनिटी (मानद, honoris causa), Lutheran Orthodox Church, Inc. द्वारा 20 अप्रैल 2013 को प्रदान की गई।

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।

संत इस्तखुस, बेसिल II के मेनोलोगियन (Menologion of Basil II) में पवित्र प्रेरितों इस्तखुस, अम्पलियातुस और उरबानुस के लघुचित्र से, कुस्तुन्तुनिया, लगभग 1000 ई., वेटिकन पुस्तकालय (Vat. gr. 1613)। स्रोत: Wikimedia Commons, सार्वजनिक डोमेन; मूल से काटकर आकार बदला गया।